



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 109]
No. 109]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 25, 1987/ज्येष्ठ 4, 1909
NEW DELHI, MONDAY, MAY 25, 1987/JYAISTHA 4, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Pageing is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

मासिक सूचना संख्या 1-पी. आर./एन. पी./87

नई दिल्ली, 22 मई, 1987

फाइल संख्या 2/2/85-एम. यू. सी. —दिनांक 13-11-86
को यथा अधिसूचित अखबारी कागज आवंटन नीति 1986-88
के पैरा 6 और 7 के अनुसार, भारत सरकार का सूचना
और प्रसारण मंत्रालय एतद्वारा निम्नलिखित अधिसूचित
करता है :—

1. आवेदनपत्रों की प्राप्ति —(क) दिनांक 13-11-1986
को यथा अधिसूचित अखबारी कागज आवंटन नीति, 1986-
88 के पैरा 6.2 के अनुसार, वर्ष 1987-88 के लिए
अखबारी कागज के आवंटन हेतु आवेदनपत्रों की प्राप्ति की
अन्तिम तारीख 30 जून, 1987 होगी।

(ख) पुनरीक्षण आवेदन पत्र:—समाचारपत्र/नियतकालिक
पत्र अपनी प्रसार संख्या में वृद्धि होने के आधार पर आवंटन
में ऊपर संशोधन के लिए वर्ष 1987-88 के दौरान

पुनरीक्षण आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकता है बशर्ते कि
इस प्रकार के आवेदन पत्र के साथ चार्टर्ड एकांटेन्ट द्वारा
विधिवत प्रमाणित फार्म एन. पी.-2 में कार्य निष्पादन
प्रमाणपत्र (जहां प्रसार संख्या 2000 प्रतियों से अधिक
है) भेजा जाए और वह 30 नवम्बर, 1987 को कम से
कम 8 महीने की अवधि कवर करता हो। इस प्रकार के
आवेदनपत्र विभिन्न तारीखों के नमूना अंकों के साथ भारत
के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में 31 दिसम्बर,
1987 तक पहुँच जाने चाहिए।

2 (क) दिनांक 13-11-1986 को यथा अधिसूचित
अखबारी आवंटन नीति, 1986-88 के पैरा 7.3 के
अनुसार, 30 मी. टन से अधिक की हकदारी वाले समाचार
पत्र के लिए अखबारी कागज (पिछले बकाया मात्रा को
छोड़कर) का आवंटन निम्न प्रकार होगा :—

आयातित : 35%

हिन्दुस्तान न्यूजप्रिंट
मिल्स लि. (केरल) : 17%
मैसूर पेपर मिल्स लि. : 18%
तमिलनाडू न्यूजप्रिंट एंड
पेपर्स लि. : 15%
नेशनल न्यूजप्रिंट एंड पेपर
लि. (नेपा) : 15%

(ख) आयातित अखबारी कागज की हकदारी का कम से कम 25% अखबारी कागज राज्य व्यापार निगम के बफर स्टॉक में उठाया जाता चाहिए।

3. बकाया मात्रा को पूरा करना:—श्री रायलसीमा पेपर मिल्स लि. द्वारा निर्मित अखबारी कागज का वर्ष 1987-88 के लिए मिछली बकाया मात्रा के आवंटन में उत्पन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपयोग किया जाएगा। तलाश या मात्रा, यदि कोई हो, का आवंटन भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा अपने विवेक से किया जाएगा। इस प्रयोजन के लिए जैसा वे उपयुक्त समझें, संबंधित समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों को विभिन्न मिलों से अखबारी कागज के आवंटन की प्रतिशतता में भिन्नता कर सकते हैं।

के. एस. बैदवान, संयुक्त सचिव।

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

PUBLIC NOTICE NO. 1-PR/NP/87

New Delhi, the 22nd May, 1987

File No. 2/2/85-MUC.—In terms of para 6 and 7 of the Newsprint Allocation Policy, 1986-88 as notified on 13-11-1986, the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting hereby notify as follows :—

1. Receipt of applications.—(a) In terms of para 6.2 of the Newsprint Allocation Policy 1986-88 as notified on 13-11-1986, the last date for receipt of

applications for allocation of newsprint for the year 1987-88 will be 30th June, 1987.

(b) Revision applications.—A newspaper/periodical may submit revision application during the year 1987-88 for upward revision of allocation on the basis of increase in its circulation provided such an application is accompanied by performance certificate in form NP-2, duly certified by Chartered Accountant (where circulation is more than 2,000 copies) and covers a period of not less than 8 months as on 30th November, 1987. Such applications should reach the office of the Registrar of Newspapers for India along with sample issues of different dates by 31st December, 1987.

2. (a) In terms of para 7.3 of the Newsprint Allocation Policy 1986-88 as notified on 13-11-1986, the allocation of newsprint (excluding the backlog) for a newspapers whose entitlement is above 300 Metric Tonnes will be as follows :—

Imported	: 35%
Hindustan Newsprint Mills Ltd., (Kerala)	: 17%
Mysore Paper Mills Ltd.	: 18%
Tamilnadu Newsprint and Papers Ltd.	: 15%
National Newsprint and Paper Ltd. (NEPA)	: 15%

(b) At least 25% of the import entitlement should be lifted from State Trading Corporation's Buffer stock.

3. Servicing of backlog.—The newsprint produced by Sri Rayalseema Paper Mills Ltd., will be utilised for servicing the requirements arising from the allocation of backlog quantity for the year 1987-88. The balance quantity, if any, will be allocated by the Registrar of Newspapers for India in his discretion. For this purpose, he may make such variations in the percentage allocations from different Mills to the concerned newspapers/periodicals as may be considered appropriate.

K. S. BAIDWAN, Jr. Secy.